रेडिसन एवं रोबोट चौराहे पर फ्लाई ओवर के लिए 170 करोड़ मंजूर

- सुपर कॉरिडोर से एयरपोर्ट तक ढाई सौ फीट चौड़ी नई सड़क बनेगी
- आईडीए बोर्ड बैठक में अहम निर्णय

नव भारत न्यूज

इंदौर. आईडीए की बोर्ड बैठक में शहर में यातायात सुधार करने हेतु दो फ्लाई ओवर ब्रिज और मास्टर प्लान की ढाई सौ फीट चौड़ी नई सड़क की स्वीकृति दी गई. इसके साथ ही आईडीए बोर्ड बैठक में सुपर कॉरिडोर पर योजना 172 का विकास, गैर योजना मद के विकास कार्यों 177 करोड़ राशि और योजना 97 पार्ट 2 को 34 करोड़ से विकसित करने के निर्णय पर मंजूरी दी गई.

आईडीए बोर्ड बैठक में रेडिसन चौराहे और रोबोट चौराहे पर फ्लाई ओवर ब्रिज निर्माण के लिए 170 करोड़ रुपए की स्वीकृति दी गई. उक्त दोनों फ्लाई ओवर ब्रिज के बनने से शहर में यातायात जाम सद निजात मिलेगी. साथ बायपास से एमआर-10, उज्जैन रोड और सुपर कॉरिडोर का सीधी कनेक्टिविटी हो जाएगी. वहीं रोबोट चौराहे पर फ्लाई ओवर ब्रिज निर्माण से रिंग रोड पर ट्रैफिक जाम से निजात मिलेगी. आईडीए बोर्ड बैठक में मास्टर प्लान एमआर-09 सड़क के निर्माण 6.56 करोड़, गैर योजनामद में विकास हेतु 177.33 करोड़, योजना क्रमांक 97 भाग-2 का विकास कार्य का 34 करोड़ का टेंडर को मंजूरी दी गई. बैठक में बोर्ड अध्यक्ष एवं संभागायुक्त भास्कर लक्षकार, कलेक्टर शिवम वर्मा, निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल, पीडब्ल्यूडी मुख्य अभियंता योगेन्द्र कुमार, एमपीईबी मुख्य अभियंता राजशेखर जैन, टीएनसीपी अपर संचालक शुभाशीष बेनर्जी, पीएचई अधीक्षण यंत्री सुनील कुमार उदिया, अधीक्षण यंत्री, आईडीए सीईओ डॉ. परिक्षित झाड़े उपस्थित थे.

इन प्रस्तावों को भी दी स्वीकृति

इसके अलावा आईडीए की विभिन्न योजनाओं में फ्लैट, आवासीय और व्यावसायिक प्लॉटों को बेचने के लिए दर निर्धारण पर स्वीकृति हुई. इसके बाद आईडीए नए दरों पर प्लॉटों और फ्लैट के टेंडर जारी करेगा. बोर्ड बैठक में योजना 54 में मेघदूत के पास जमीन पर विकास एवं कंसल्टेंट के लिए 15 करोड़ रुपए, अहिल्योत्सव समिति को इस साल अनुदान के 8.00 लाख रुपए भुगतान एवं शहर में गणेश विसर्जन चल समारोह की झांकियों हेतु पांचों मिलों को तीन - तीन लाख रुपए पर सहयोग राशि देने पर स्वीकृति दी गई.

एयरपोर्ट के पास योजना 172 में होगा एरोसिटी का विकास

आईडीए बोर्ड बैठक में आज सबसे महत्वपूर्ण निर्णय शहर को मास्टर प्लान के तहत ढाई सौ फीट चौड़ी सड़क मंजूरी की सौगात मिली है. सुपर कॉरिडोर से एयरपोर्ट को जोड़ने वाली उक्त सड़क 1.5 किलोमीटर लंबी और 52 करोड़ रुपए की लागत से बनेगी. इसके साथ ही टीसीएस और इन्फोसिस की जमीन के बदले तो मिली जमीन पर योजना 172 में 240 करोड़ रुपए की लागत से एरोसिटी विकसित की जाएगी. इससे एयरपोर्ट के पास होटल और मॉल जैसे बड़े निवेश क्षेत्र बनने से सुविधाओं का विस्तार होगा.

अब निगम झोनल कार्यालयों पर भी बनेंगे दुकानों के लाइसेंस

15 सितंबर से होगी मुहिम शुरू

नव भारत न्यूज

इंदौर. नगर निगम शहर में दुकानों के लाइसेंस बनाने कार्य में बड़ा बदलाव करने जा रहा है. इसके तहत अब क्षेत्रवार झोनल कार्यालयों पर दुकानों के लाइसेंस बनाए जाएंगे. इसकी जिम्मेदारी निगम राजस्व बिल कलेक्टरों को सौंपी जाएगी. खास बात यह है कि शहर में दुकानों लाइसेंस बनाने के लिए 15 सितंबर से मुहिम चलाई जाएगी.

नगर निगम द्वारा पिछले महीने सभी झोनल कार्यालयों पर जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने की व्यवस्था शुरू की गई है. इसी कड़ी में निगम अब दुकानों के लाइसेंस बनाने की व्यवस्था भी झोनल कार्यालयों पर शुरू करने जा रहा है. इसके लिए नगर निगम मार्केट विभाग को राजस्व विभाग के अधीन कार्यरत बिल कलेक्टर को जिम्मेदारी सौंपी जाएगी. एक अनुमान के अनुसार शहर में करीब डेढ़ लाख दुकानें है और निगम लाइसेंस सिर्फ 20 प्रतिशत के आसपास ही बन रहे है. इस कारण नगर निगम मार्केट विभाग को करोड़ों रुपए की हानि हो रही है. दुकानदार भी लाइसेंस बनाने में रुचि नहीं ले रहे हैं. इसको देखते हुए नगर निगम ने सभी झोनल कार्यालयों पर लाइसेंस बनाने की व्यवस्था शुरू करने का निर्णय लिया है. बताया जा रहा है कि नगर निगम में 85 वार्डों में 85 बिल कलेक्टर है, जो निगम करों की वसूली करते हैं. नगर निगम मार्केट विभाग में सिर्फ 6 लाइसेंस इंस्पेक्टर ही बचे है. पहले 20 अधिकारी थे, तो शहर में काम हो जाता था. स्टॉफ की कमी के चलते नगर निगम राजस्व विभाग द्वारा मार्केट विभाग की वसूली बढ़ाने के लिए उक्त निर्णय लिया है.

साफ्टवेयर का काम किया जा रहा

अपर आयुक्त आकाशसिंह ने कहा कि 12 तारीख की लोक अदालत है. इसके बाद शहर में दुकानदारों के खिलाफ निगम लाइसेंस बनाने के मुहिम चलाई जाएगी. निगम के सभी झोनल कार्यालयों पर कंप्यूटर में लाइसेंस बनाने के सॉफ्टवेयर का काम किया जा रहा है, ताकि व्यापारियों को अपने अपने क्षेत्र में ही लाइसेंस बनाने की सुविधा मिल जाएगी.

लोक अदालत से पहले बिजली कंपनी की कार्रवाई तेज

हजारों नोटिस से उपभोक्ताओं में हलचल

नवभारत न्यूज

इंदौर. 12 सितंबर की नेशनल लोक अदालत से पहले बिजली कंपनी ने कार्रवाई तेज कर दी है. इंदौर, उज्जैन, रतलाम समेत 12 जिलों में बिजली चोरी और अनियमितताओं से जुड़े मामलों में हजारों नोटिस भेजे गए हैं. अब कंपनी की नजर ज्यादा से ज्यादा प्रकरणों के समझौते पर है.

मालवा-निमाड़ के 44 न्यायालय क्षेत्रों में होने वाली लोक अदालत में 10 लाख रुपए तक के सिविल दायित्व वाले मामलों का निपटारा किया जाएगा. प्री-लिटिगेशन मामलों में सिविल दायित्व पर 30 प्रतिशत और ब्याज पर 100 प्रतिशत तक छूट मिलेगी. लिटिगेशन मामलों में सिविल दायित्व पर 20 प्रतिशत और ब्याज पर पूरी छूट का प्रावधान है. मैदानी तस्वीर यह है कि नोटिस मिलने के बाद संबंधित उपभोक्ताओं के सामने अब एकमुश्त राशि जमा कर प्रकरण खत्म कराने की चुनौती है. छूट का लाभ भी उन्हीं मामलों में मिलेगा, जिनमें बिजली चोरी या अनधिकृत उपयोग पहली बार किया गया हो. दूसरे कनेक्शन पर बकाया होने की स्थिति में पहले उसका पूरा भुगतान करना होगा. कंपनी के अधिकारी जिलों और सर्कलों में लगातार बैठकें कर लोक अदालत की तैयारी की निगरानी कर रहे हैं. अब 12 सितंबर को साफ होगा कि हजारों नोटिस के बाद कितने उपभोक्ता समझौते के लिए पहुंचते हैं और बिजली कंपनी कितने प्रकरणों का निपटारा करा पाती है.

स्पेशल ट्रेन के फेरे बढ़े, यात्रियों को सितंबर में मिलेगी राहत

नवभारत न्यूज

इंदौर. सितंबर में यात्रियों की बढ़ती आवाजाही के बीच रेलवे ने इंदौर-खड़की स्पेशल ट्रेन के फेरे फिर बढ़ा दिए हैं. इससे इंदौर से खड़की और खड़की से इंदौर के बीच यात्रा करने वाले यात्रियों को अतिरिक्त ट्रेनों का विकल्प मिलेगा.

ट्रेन के विस्तार से खासकर अतिरिक्त भीड़ के दौरान यात्रियों को राहत मिलने की उम्मीद है. ट्रेन संख्या 09324 इंदौर-खड़की स्पेशल अब 2 से 30 सितंबर तक चलेगी. वापसी में ट्रेन संख्या 09323 खड़की-इंदौर स्पेशल 3 सितंबर से 1 अक्टूबर तक संचालित होगी. रेलवे ने यात्रियों की सुविधा और अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए यह निर्णय लिया है. रेलवे के अनुसार ट्रेन के समय, मार्ग, ठहराव और कोच संरचना में कोई बदलाव नहीं किया गया है. ट्रेन पूर्व निर्धारित समय-सारणी के अनुसार ही चलेगी।यात्रियों के लिए अब सितंबर में इस स्पेशल ट्रेन का विकल्प उपलब्ध रहेगा. ट्रेन के स्टॉपेज और समय की ताजा जानकारी यात्री रेलवे की पूछताछ सेवा और रेलवन ऐप पर देख सकते हैं.

हाईकोर्ट ने भूमिगत मेट्रो रेल परिवर्तित योजना की मांगी स्टेटस रिपोर्ट

अगले सप्ताह फिर सुनवाई

नव भारत न्यूज

इंदौर. मेट्रो अंडर ग्राउंड की पूर्व योजना में बदलाव को लेकर आज हाईकोर्ट में सुनवाई हुई. मेट्रो अंडर ग्राउंड लाइन को लेकर सामाजिक कार्यकर्ता ने हाईकोर्ट में स्थगन आवेदन लगाया है, जिसमें याचिकाकर्ता किशोर कोडवानी ने कहा कि मेट्रो की पूर्व एलिवेटेड से अंडर ग्राउंड में काफी बदलाव है. पूर्व में मेट्रो रेल के लिए अक्टूबर 2024 में गजट नोटिफिकेशन में संशोधन करना अनिवार्य है. मेट्रो के नए भूमिगत लाइन प्लान से शहर के हजारों मकान प्रभावित होंगे.

याचिकाकर्ता किशोर कोडवानी ने स्थगन आवेदन पर तर्क रखते हुए उक्त बिंदुओं पर हाईकोर्ट में पक्ष रखा. याचिकर्ता कोडवानी ने हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान बताया कि मेट्रो अण्डर ग्राउण्ड की पूर्व योजना में काफी बदलाव किया है और इसलिए 22/8/2024 का गजट संशोधन करना अनिवार्य है. नये प्लान के कारण 20 से 25 हजार भवन प्रभावित होगें, जो किसी को ज्ञात नहीं हैं. याचिका में कोडवानी ने मुख्य रूप से तीन बिंदुओं पर हाईकोर्ट सुनवाई में तर्क रखे. पहला प्रस्ताव किसका है? दूसरा धरोहर के तीन सौ मीटर में निर्माण हेतु राष्ट्रपति अनुमति गजट नोटिफिकेशन नहीं और तीसरा भूमिगत पानी लेयर विखंडित होगी. कोडवानी हाईकोर्ट में भूमिगत जल विखंडित होने का तर्क रखते हुए बताया कि उत्तर दिशा 650 व दक्षिण दिशा 555 मीटर मध्य रेखा में एम.जी.रोड पर मेट्रो रेल अंडर ग्राउंड 80 मीटर नीचे डाली जा रहीं है. योजना के लिए पर्यावरण अनुमति नहीं ली गई है. उक्त मामले में जिला दंडाधिकारी ने कोई निर्णय नहीं है. उक्त तर्कों को लेकर न्यायधीश ने अंडर ग्राउंड मेट्रो रेल स्टेटस की परिवर्तित रिपोर्ट अगले हफ्ते सुनवाई में प्रस्तुत करने के आदेश दिए.

एक नजर में

सांची नई पैकेजिंग में परंपरा व आधुनिकता का संगम

इंदौर. मध्यप्रदेश के सहकारी डेयरी ब्रांड सांची ने अपने 45 वर्षों के विश्वास को आधुनिक स्वरूप देते हुए इंदौर में अपनी नई ब्रांड पहचान और री-डिजाइन की गई पैकेजिंग लॉन्च की. इंदौर के कृषि महाविद्यालय में आयोजित रीब्रांडिंग समारोह में संयुक्त आयुक्त पुरुषोत्तम पाटीदार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे. इस अवसर पर एमपीसीडीएफ के पूर्व प्रबंध संचालक डॉ. संजय गोवानी, इंदौर दुग्ध संघ के सीईओ विशाल मिश्रा एनडीडीबी के ग्रुप हेड मार्केटिंग स्वप्न सिन्हा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी, वितरक एवं रिटेलर्स उपस्थित रहे. नई ब्रांड पहचान में आधुनिक रंगों, एकरूप लेआउट और आकर्षक डिज़ाइन के साथ मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक विरासत को भी प्रमुखता दी गई है. संयुक्त आयुक्त पुरुषोत्तम पाटीदार ने कहा सांची मध्यप्रदेश के सहकारी आंदोलन और लाखों दुग्ध उत्पादक परिवारों की मेहनत से जुड़ा ब्रांड है. नई ब्रांड पहचान सांची को आधुनिक बाजार की आवश्यकताओं के अनुरूप नई ऊर्जा देगी. मुझे विशेष खुशी है कि नई पैकेजिंग में मध्यप्रदेश की कला और ग्रामीण जीवन की झलक दिखाई देती है. एमपीसीडीएफ के पूर्व प्रबंध संचालक डॉ. संजय गोवानी ने कहा सांची के 45 वर्षों के सफर में उपभोक्ताओं का विश्वास और दुग्ध उत्पादक किसानों का योगदान सबसे महत्वपूर्ण रहा है। नई पहचान इसी विरासत को आगे ले जाने का प्रयास है।

सैमसंग ने गैलेक्सी बुक 6 लाइनअप को और आगे बढ़ाया

इंदौर. सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी लिमिटेड ने आज नया 14 इंच गैलेक्सी बुक6 पेश किया है. रोजमर्रा के कामकाज को ध्यान में रखकर बनाया गया यह मॉडल गैलेक्सी बुक6 लाइनअप को और ज्यादा लोगों तक पहुंचाता है. 799 डॉलर से शुरू होने वाले गैलेक्सी बुक6 में 25 घंटे तक चलने वाली बैटरी, इंटेल कोर 3 और कोर 5 की परफॉर्मेंस, गैलेक ?सी एआई वाले फीचर्स और गैलेक्सी बुक6 परिवार का वही जाना पहचाना डिजाइन मिलता है. गैलेक्सी बुक6, रोजमर्रा के इस्तेमाल के लिए बना एक ऐसा मॉडल जो लाइनअप को ज्यादा लोगों की पहुंच में लाता है. सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स की गैलेक्सी इकोसिस्टम्स बिजनेस टीम के प्रमुख और एग्जिक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट मिनचोल ली ने कहा नए गैलेक्सी बुक6 के साथ हम गैलेक्सी बुक का अनुभव और ज्यादा लोगों तक पहुंचाना चाहते थे. कम कीमत में यह वे सारी चीजें एक साथ देता है जिन्हें यूजर रोज काम में लाते हैं, जैसे भरोसेमंद परफॉर्मेंस, लंबी चलने वाली बैटरी, आपस में जुड़े गैलेक्सी अनुभव और गैलेक्सी बुक6 का डिजाइन डीएनए। यह भरोसा खरीदने के बाद भी बना रहता है.

खजराना गणेश मंदिर में दुर्लभ दर्शन केंद्र की शुरुआत

इंदौर. श्री खजराना गणेश मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं के लिए एक नई और अनोखी आध्यात्मिक सुविधा दुर्लभ दर्शन केंद्र का शुभारंभ किया गया है. यहां आने वाले श्रद्धालु अत्याधुनिक 6डी वर्चुअल रियलिटी तकनीक के माध्यम से भारत के प्रसिद्ध मंदिरों, आरतियों और धार्मिक आयोजनों का ऐसा अनुभव प्राप्त कर सकेंगे, मानो वे स्वयं उस पवित्र स्थान पर उपस्थित हों. दुर्लभ दर्शन एक भारतीय तकनीक पर आधारित आध्यात्मिक अनुभव है, जिसके माध्यम से श्रद्धालु विशेष वीआर हेडसेट पहनकर ऐसा अनुभव करते हैं, मानो वे स्वयं उस मंदिर में उपस्थित हों. यह केवल दर्शन कराने तक सीमित नहीं है. प्रत्येक अनुभव में उस तीर्थ का इतिहास, पौराणिक कथा, धार्मिक महत्व और उससे जुड़ी रोचक जानकारियां भी सरल भाषा में समझाई जाती हैं. अभिनेता एवं लेखक आशुतोष राणा दुर्लभ दर्शन के आधिकारिक ब्रांड एम्बेसडर हैं. उनका मानना है कि आधुनिक तकनीक के माध्यम से भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाना समय की आवश्यकता है. उन्होंने श्री राम की अयोध्या और उज्जैनी के महाकाल जैसी विशेष वीआर तीर्थ यात्राओं में अपनी प्रभावशाली वाणी के माध्यम से श्रद्धालुओं का मार्गदर्शन किया है.

सिग्नेट .वन ने लॉन्च किया आईटीसी एलिजिबिलिटी इंजन

इंदौर. टैक्स तकनीक कंपनी सिग्नेट .वन ने आज अपना एआई से चलने वाला जीएसटी क्लासिफिकेशन और इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) एलिजिबिलिटी इंजन लॉन्च करने की घोषणा की. यह एक ऐसा समाधान है जो बड़े पैमाने पर कंपनियों के खरीद इनवॉइस को वैलिडेट करता है और उन्हें अपने आप पोस्ट भी कर देता है।जीएसटी के नियमों पर आधारित लॉजिक को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के साथ जोड़कर यह इंजन इनवॉइस डेटा का विश्लेषण करता है, लेनदेन के संदर्भ को समझता है, और इनवॉइस लेवल पर आईटीसी की पात्रता तय करता है. इसके साथ ही हर लेनदेन को सही जीएसटीआर-3बी ट्रीटमेंट के हिसाब से वर्गीकृत करता है, और इसके पीछे की वजह भी साफ तौर पर बताता है. यह अपने आप रिवर्स चार्ज, इंपोर्ट और ब्लॉक्ड क्रेडिट जैसी चीजों को चिन्हित कर देता है, जिससे मैनुअल रिव्यू का काम कम हो जाता है और शुरुआत से ही पूरी प्रक्रिया ऑडिट के लिए तैयार बन जाती है. यह पूरी प्रक्रिया शुरू होती है रॉ इनवॉइस डेटा सिग्नेट .वन के इन्जेशन में डालने से। इस मुख्य प्रोसेसिंग सिस्टम के भीतर एक एआई कंपोनेंट इनवॉइस का विवरण और उसका संदर्भ समझता है, और साथ ही एक रूल इंजन मॉड्यूल के साथ मिलकर काम करता है.

दूध के भाव पर किसानों का फूटा गुस्सा

- लागत के आधार पर दूध का भाव तय करने की मांग
- अपर कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन किसानों ने दी आंदोलन तेज करने की चेतावनी

नवभारत न्यूज

इंदौर. दूध का भाव लागत के आधार पर तय करने और किसानों को मेहनत का उचित दाम देने की मांग को लेकर मंगलवार को बड़ी संख्या में दूध उत्पादक किसानों ने कलेक्टर कार्यालय परिसर में करीब दो घंटे तक धरना-प्रदर्शन किया.

किसानों ने पशु आहार, चारा-दाना, पशु चिकित्सा, बिजली और मजदूरी समेत बढ़ती लागत का हवाला देते हुए दूध के वर्तमान भाव को अपर्याप्त बताया. प्रदर्शन के बाद किसान प्रतिनिधिमंडल ने अपर कलेक्टर से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा. किसान नेताओं चंदनसिंह बड़वाया और हंसराज मंडलोई ने कहा कि दूध उत्पादन की लागत लगातार बढ़ रही है, लेकिन किसानों को उसके अनुरूप मूल्य नहीं मिल रहा।एक लीटर दूध के पीछे पशुओं के पालन-पोषण, चारे, इलाज और मेहनत का बड़ा खर्च जुड़ा है. किसानों ने प्रशासन से किसान प्रतिनिधियों, दुग्ध संघ और संबंधित अधिकारियों की तत्काल बैठक बुलाकर वास्तविक लागत के आधार पर दूध का मूल्य तय करने की मांग की. प्रदर्शन में चंदन सिंह बड़वाया, अरविंद राठौड़, हंसराज मंडलोई, कमल जाधव, कैलाश सोनगरा, संजय मोरी सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे.

व्यापक आंदोलन किया जाएगा

किसानों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर जल्द सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा. फिलहाल प्रदर्शन ज्ञापन सौंपने के बाद समाप्त हुआ.

डॉ. पुरुषोत्तम दुबे और कांति शुक्ला होंगे जीवन गौरव सम्मान से सम्मानित

इन्दौर. जीवन पर्यन्त साहित्य व हिन्दी भाषा की सेवा करने के लिए मातृभाषा उन्नयन संस्थान दो वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. पुरुषोत्तम दुबे एवं भोपाल से कांति शुक्ला को 'जीवन गौरव सम्मान' से सम्मानित कर रहा है.

संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अर्पण जैन 'अविचल' ने बताया कि इन्दौर का गौरव डॉ.पुरुषोत्तम दुबे लगभग आधी शताब्दी से अधिक समय से लेखन में सक्रिय हैं, उन्हें कई पुरस्कार एवं सम्मान प्राप्त हुए हैं. 15 से अधिक पुस्तकों का लेखन उन्होंने किया है. इसी तरह भोपाल निवासी कांति शुक्ला भी 9 से अधिक पुस्तकों की सृजक होने के साथ-साथ सक्रिय साहित्यकार हैं. आप दोनों के साहित्यिक अवदान को रेखांकित करते हुए संस्थान 'जीवन गौरव सम्मान' प्रदान कर रहा है. दोनों सम्मानमूर्तियों को यह सम्मान संस्थान के वार्षिक आयोजन 'लघुकथा मन्थन 2026' में प्रदान किया जाएगा, जो हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में 13 सितम्बर को इन्दौर में आयोजित होने जा रहा है. संस्थान परिवार द्वारा उत्सवमूर्ति द्वय को शुभकामनाएँ दी गईं.

काका हाथरसी राष्ट्रीय पुरस्कार समारोह आज

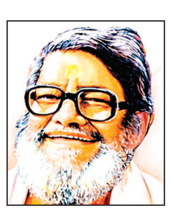

इंदौर. राष्ट्रीय कलमकार मंच के तत्वावधान में 21वां काका हाथरसी राष्ट्रीय पुरस्कार समारोह एवं अखिल भारतीय कवि सम्मेलन 2 सितंबर को प्रीतमलाल दुआ सभागार में शाम 7 बजे आयोजित होगा. इस वर्ष प्रतिष्ठित काका हाथरसी पुरस्कार प्रख्यात हास्य-व्यंग्य कवि अशोक भाटी को प्रदान किया जाएगा.

समारोह में शहर के साहित्यकारों, कवियों, सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारियों, समाजसेवियों और प्रबुद्धजनों की विशेष सहभागिता रहेगी. आयोजन को लेकर शहर के साहित्य एवं सामाजिक क्षेत्र में उत्साह है. कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय कवि सत्यनारायण सततन करेंगे, जबकि कवि सत्येन वर्मा 'सत्येन' संचालन करेंगे. संयोजक कमलेश्वर सिंह सिसोदिया ने बताया कि मुख्य अतिथियों में समाजसेवी सुभाष खंडेलवाल, पूर्व राज्य मंत्री पंडित योगेंद्र महंत, कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व विधायक सत्यनारायण पटेल तथा चिकित्सक डॉ. अर्पित चोपड़ा जैन, शामिल होंगे, अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में आगरा से डॉ. राजकुमार रंजन, धौलपुर से रजिया बेगम 'जिया', पचोर से मिथुन 'मिथिलेश' और इंदौर से डॉ. ममता सिंह काव्य पाठ करेंगी. डॉ. पंकज विरमाल ने बताया कि पिछले दो दशकों में देश के कई ख्यातनाम हास्य कवियों को यह प्रतिष्ठित सम्मान दिया जा चुका है.

नेमावर रोड से तीन इमली तक चला चेकिंग अभियान

- यातायात विभाग व आरटीओ की संयुक्त कार्रवाई
- 6 वाहनों पर 37 हजार का जुर्माना

नवभारत न्यूज

इंदौर. शहर में यातायात व्यवस्था को सुचारु और सुरक्षित बनाने के लिए मंगलवार को यातायात पुलिस और आरटीओ ने संयुक्त रूप से चेकिंग अभियान चलाया. नेमावर रोड और तीन इमली क्षेत्र में हुई कार्रवाई के दौरान यातायात में बाधा बन रहे वाहनों पर शिकंजा कसा गया. अभियान में छह वाहनों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए कुल 37 हजार रुपये का जुर्माना वसूला गया.

संयुक्त टीम ने देवगुराड़िया ब्रिज के उतार से नायता मुंडला की ओर सड़क के बाईं तरफ खड़े रहने वाले भारी वाहनों की जांच की. सड़क किनारे हैवी व्हीकलों के खड़े होने से यातायात प्रभावित होने की शिकायतों को देखते हुए वाहन चालकों को निर्धारित स्थान पर ही वाहन खड़ा करने की सख्त हिदायत दी गई. वहीं, तीन इमली चौराहे पर सवारी भरने के लिए अव्यवस्थित तरीके से खड़ी बसों पर भी कार्रवाई की गई. बस चालकों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि वे यातायात व्यवस्था को बाधित न करें और निर्धारित स्थान पर ही बसों को रोककर सवारियां बैठाएं.

यातायात के प्रति जागरूक करना उद्देश्य

आरटीओ के अनुसार, अभियान का उद्देश्य सड़क पर यातायात में बाधा बनने वाले वाहनों पर नियंत्रण के साथ वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करना भी है. कार्रवाई के दौरान नियमों का उल्लंघन करने वाले छह वाहनों से कुल 37 हजार रुपये का जुर्माना वसूला गया.

एक नजर में | डेली कॉलेज में साहित्य का संगम, जी-लिट्राटी में लेखकों से रूबरू हुए विद्यार्थी

विद्यार्थियों में पढ़ने की संस्कृति विकसित करने की जरूरत

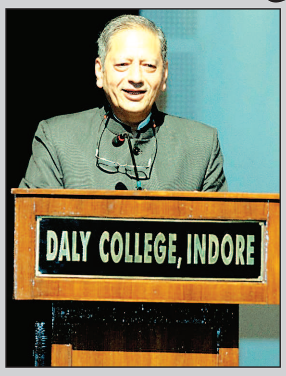

नवभारत न्यूज

इंदौर. डेली कॉलेज में प्रतिवर्ष आयोजित किया जाने वाला साहित्यिक उत्सव, जी-लिट्राटी का पाँचवाँ संस्करण 1 सितंबर को डेली कॉलेज, इंदौर में आयोजित किया गया. इस आयोजन ने साहित्यिक में रुचि रखने वालों में भारी उत्साह पैदा किया और देशभर के साहित्य प्रेमियों और विद्यार्थियों से सराहना प्राप्त की.

जी-लिट्राटी, अपने आप में एक अनूठा आयोजन था, जिसने लेखकों को अपने लेखन-कार्यों के विषय में अपने अनुभवों को साझा करने का मंच प्रदान किया और इसमें विद्यार्थियों को लेखक-लेखिकाओं के साथ बातचीत करने का अवसर दिया, जिससे उन्हें नई शैलियों, साहित्यिक दृष्टिकोणों, आलोचनाओं और विषयों का अन्वेषण करने और पढ़ने के प्रति आजीवन प्रेम विकसित करने का मौका मिला. 1985 बैच के सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी और वैली ऑफ वर्ड्स अंतरराष्ट्रीय साहित्यिक उत्सव के निदेशक डॉ. संजीव चोपड़ा मुख्य अतिथि रहे. उनके साथ विद्या नेसरीकर, हुतुका सुमी, नवनीत नीरव, अदिति कृष्णकुमार, शिवकुमार मोहंका और उपासना चैबे ने विभिन्न सत्रों में विद्यार्थियों से संवाद किया. उत्सव में लेखकों की चयनित पुस्तकों पर साक्षात्कार, बातचीत और खुले मंच पर चर्चा हुई. विद्यार्थियों ने इन किताबों पर पोस्टर तैयार कर अपने विचार भी साझा किए. कार्यक्रम में डेली कॉलेज के विद्यार्थियों ने महिषासुर मर्दिनी के आख्यान पर आधारित नृत्य प्रस्तुति भी दी.

साहित्य समाज को समझने का माध्यम

मुख्य अतिथि डॉ. चोपड़ा ने विद्यार्थियों में पढ़ने की संस्कृति विकसित करने की जरूरत बताई. उन्होंने कहा कि भाषा और साहित्य समाज व जीवन को समझने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं. प्राचार्या डॉ. गुनमीत बिंद्रा ने आयोजन की महत्ता बताते हुए सभी लेखकों का आभार जताया और उन्हें प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया.

नदी किनारे पौधारोपण अभियान की शुरुआत

इंदौर. शहर को हरा-भरा बनाने के संकल्प के साथ संस्था समृद्ध ने एक पेड़ मां के नाम के तहत नदी किनारों पर पौधारोपण अभियान की शुरुआत की. अभियान का शुभारंभ नर्मदा-शिप्रा संगम केवड़ेश्वर पर 251 फलदार पौधे रोपकर किया गया. विभिन्न स्थानों पर 5 हजार से अधिक पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है.

संस्था अध्यक्ष एवं युवा समाजसेवी लोकेश अवस्थी लक्की ने बताया कि अभियान के तहत अलग-अलग प्रजातियों के पौधे नदी किनारे लगाए जाएंगे. संस्था द्वारा आने वाले दिनों में पौधारोपण कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे, जिसमें विभिन्न समाजों के लोग अपने परिवार के साथ शामिल होकर पौधे लगाएंगे. इस दौरान संस्था अध्यक्ष लक्की अवस्थी, पूर्व विधायक संजय शुक्ला, अन्नू वाजपेयी, अर्जुन क्षेत्रीय, अशोक चौहान चांदू, समृद्ध अवस्थी, बंटी ठाकुर कैलाश मानवत सहित बड़ी संख्या में समाजजन मौजूद रहे.